खेती में जल बचत के लिए सूक्ष्म सिंचाई अपनाएंः पवन कुमार कस्वां, वित्त नियंत्रक

बीकानेर (मृदुल पत्रिका)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय में शनिवार को श्श्सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकेंश्श् विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।सुनियोजित खेती विकास केन्द्र बीकानेर द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त नियंत्रक पवन कुमार कस्वां थे। मुख्य अतिथि कस्वां ने किसानों को सलाह दी कि खेती में जल बचत हेतु ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई व रेनगन के तरीकों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि नहर बन्दी के चलते तथा गिरते भू-जल स्तर को ध्यान में रखते हुए खेती में जल का सुनियोजित उपयोग आज महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भू सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशक डॉ दाताराम ने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई के तरीके अपनाकर ज्यादा क्षेत्र में काश्त करना संभव है। बूंद-बूंद सिंचाई के साथ घोलकर फर्टिलाइजर देकर 25 प्रतिशत तक फर्टिलाइजर की बचत की जा सकती है। विशिष्ट अतिथि स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय के प्रभारी एवं पूर्व निदेशक कृषि प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र ने कहा कि ऊंची-नीची जमीन में भी सूक्ष्म सिंचाई से समरूप में सिंचाई की जा सकती है। सुनियोजित खेती विकास केन्द्र के प्रधान अन्वेषक डॉ. पी. के. यादव ने कहा कि पी.एफ.डी.सी. केन्द्र बीकानेर पर जल बचत हेतु किए गए अनुसंधान किसानों के लिए बहुत उपयोगी है। लो टनल व गीन हाउस में भी सिंचाई की सूक्ष्म तकनीक ही अपनाई जा रही है। प्रशिक्षण समन्वयक इंजी. जे. के. गौड़ ने बताया कि किसान को जल का मापन तथा उपलब्धता सीख कर सूक्ष्म सिंचाई स्थापना की प्लानिंग करनी चाहिए। प्रशिक्षण में उद्यान विभाग के कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत, उद्यानविज्ञ डॉ. जे. के. तिवारी, ऑटोमेट इंडस्ट्रीज प्रा.लि. दिल्ली के इंजी. प्रेम कुमार ने ड्रिप सिंचाई की स्थापना, फव्वारा सिंचाई, सूक्ष्म सिंचाई, सरकारी अनुदान, बागवानी फसलों में ड्रिप सिंचाई, ड्रिप के स्व चालन तथा सूक्ष्म सिंचाई घटकों के बी.आई.एस.मानकों पर जानकारी दी। प्रशिक्षण में किसानों को ड्रिप सिंचाई क्षेत्रों का भ्रमण करवाकर प्रायोगिक जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के विभिन्न गांवों के 32 किसानों ने भाग लिया।

खेती में जल बचत हेतु सूक्ष्म सिंचाई अपनाएं : पवन कुमार कस्वां

'सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय में शनिवार को 'सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।सुनियोजित खेती विकास केन्द्र बीकानेर द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त नियंत्रक श्री पवन कुमार कस्वां थे।

मुख्य अतिथि कस्वां ने किसानों को सलाह दी कि खेती में जल बचत हेतु ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई व रेनगन के तरीकों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि नहर बन्दी के चलते तथा गिरते भू-जल स्तर को ध्यान में रखते हुए खेती में जल का सुनियोजित उपयोग आज महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भू सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशक डॉ दाताराम ने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई के तरीके अपनाकर ज्यादा क्षेत्र में काश्त करना संभव है। बूंद-बूंद सिंचाई के साथ घोलकर फर्टिलाइजर देकर 25 प्रतिशत तक फर्टिलाइजर की बचत की जा सकती है।

विशिष्ट अतिथि स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय के प्रभारी एवं पूर्व निदेशक कृषि प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र ने कहा कि ऊंची-नीची जमीन में भी सूक्ष्म सिंचाई से समरूप में सिंचाई की जा सकती है। सुनियोजित खेती विकास केन्द्र के प्रधान अन्वेषक डॉ. पी. के. यादव ने कहा कि पी.एफ.डी.सी. केन्द्र बीकानेर पर जल बचत हेतु किए गए अनुसंधान किसानों के लिए बहुत उपयोगी है।

लो टनल व गीन हाउस में भी सिंचाई की सूक्ष्म तकनीक ही अपनाई जा रही है। प्रशिक्षण समन्वयक इंजी. जे. के. गौड़ ने बताया कि किसान को जल का मापन तथा उपलब्धता सीख कर सूक्ष्म सिंचाई स्थापना की प्लानिंग करनी चाहिए। प्रशिक्षण में उद्यान विभाग के कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत, उद्यानविज्ञ डॉ. जे. के. तिवारी, ऑटोमेट इंडस्ट्रीज प्रा.लि. दिल्ली के इंजी. प्रेम कुमार ने ड्रिप सिंचाई की स्थापना, फव्वारा सिंचाई, सूक्ष्म सिंचाई, सरकारी अनुदान, बागवानी फसलों में ड्रिप सिंचाई, ड्रिप के स्व चालन तथा सूक्ष्म सिंचाई घटकों के बी.आई.एस.मानकों पर जानकारी दी।

प्रशिक्षण में किसानों को ड्रिप सिंचाई क्षेत्रों का भ्रमण करवाकर प्रायोगिक जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के विभिन्न गांवों के 32 किसानों ने भाग लिया।

खेती में जल बचत हेतु सूक्ष्म सिंचाई अपनाएं :वित्त नियंत्रक

बीकानेर 1 फरवरी। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय में शनिवार को %%सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें%% विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।सुनियोजित खेती विकास केन्द्र बीकानेर द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त नियंत्रक श्री पवन कुमार कस्वां थे।

मुख्य अतिथि श्री कस्वां ने किसानों को सलाह दी कि खेती में जल बचत हेतु ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई व रेनगन के तरीकों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि नहर बन्दी के चलते तथा गिरते भू-जल स्तर को ध्यान में रखते हुए खेती में जल का सुनियोजित उपयोग आज महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भू सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशक डॉ दाताराम ने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई के तरीके अपनाकर ज्यादा क्षेत्र में काश्त करना संभव है। बूंद-बूंद सिंचाई के साथ घोलकर फर्टिलाइजर देकर 25 प्रतिशत तक फर्टिलाइजर की बचत की जा सकती है।

विशिष्ट अतिथि स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय के प्रभारी एवं पूर्व निदेशक कृषि प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र ने कहा कि ऊंची-नीची जमीन में भी सूक्ष्म सिंचाई से समरूप में सिंचाई की जा सकती है। सुनियोजित खेती विकास केन्द्र के प्रधान अन्वेषक डॉ. पी. के. यादव ने कहा कि पी.एफ.डी.सी. केन्द्र बीकानेर पर जल बचत हेतु किए गए अनुसंधान किसानों के लिए बहुत उपयोगी है। लो टनल व गीन हाउस में भी सिंचाई की सूक्ष्म तकनीक ही अपनाई जा रही है।

प्रशिक्षण समन्वयक इंजी. जे. के. गौड़ ने बताया कि किसान को जल का मापन तथा उपलब्धता सीख कर सूक्ष्म सिंचाई स्थापना की प्लानिंग करनी चाहिए। प्रशिक्षण में उद्यान विभाग के कृषि अधिकारी श्री मुकेश गहलोत, उद्यानविज्ञ डॉ. जे. के. तिवारी, ऑटोमेट इंडस्ट्रीज प्रा.लि. दिल्ली के इंजी. प्रेम कुमार ने ड्रिप सिंचाई की स्थापना, फव्वारा सिंचाई, सूक्ष्म सिंचाई, सरकारी अनुदान, बागवानी फसलों में ड्रिप सिंचाई, ड्रिप के स्व चालन तथा सूक्ष्म सिंचाई घटकों के बी.आई.एस.मानकों पर जानकारी दी।

प्रशिक्षण में किसानों को ड्रिप सिंचाई क्षेत्रों का भ्रमण करवाकर प्रायोगिक जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के विभि? गांवों के 32 किसानों ने भाग लिया।

श्री मल्ला बाबा का 23 वां वार्षिकोत्सव आज

नोहर 1 फरवरी ।यहां पर चाचाण परिवार (इण्डिया) द्वारा संचालित श्री मल्ला बाबा मन्दिर समिति नोहर की ओर से श्री मल्ला बाबा का 23 वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। रविवार व सोमवार को आयोजित किये जाने वाले वार्षिकोत्सव के तहत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। जिसमें रविवार को दोपहर 2 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा अग्रसेन भवन से प्रारंभ होकर कस्बें के मुख्य मुख्य मागों से होते हुये चाचाण मोहल्ला स्थित श्री मल्ला बाबा मन्दिर पहुंचेगी। इसके बाद रात्रि में श्री मल्ला बाबा मन्दिर में 8 बजे ज्योत प्रज्वलन के बाद रात्रि 9 बजे जागरण का आयोजन किया जाएगा। जागरण में भजन गायक सुनील शर्मा जयपुर व भजन गायिका शैली शर्मा जयपुर भजनों की प्रस्तुति देंगी। सोमवार को सुबह 7 बजे से प्रसाद का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर समिति पदाधिकारियों व सदस्यों की अलग-अलग जिम्मेदारिया तय कि गई।

...र का आयोजन

...ा अधिकारी डॉ.लक्ष्य ढाका, पंचायत ... दीपचंद बेनीवाल, राकेश भाकर, ...ासरा, पूर्व सरपंच लखन पारीक, ...ल, विवेकानंद स्वास्थ्य सेवा समिति ... सराफ, जगदीश गर्ग, अनूप सिंह ...ीरथ ढाका, सरजीत बेनीवाल, ...खड़, डॉ.मुकेश छींपा, डॉ.कपिल ...विजय पूनिया, डॉ.नवीन चौधरी,

खेती में जल बचत हेतु सूक्ष्म सिंचाई अपनाएं : वित्त नियंत्रक

'सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

सीमा किरण

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय में शनिवार को 'सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।सुनियोजित खेती विकास केन्द्र बीकानेर द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त नियंत्रक पवन कुमार कस्वां थे। मुख्य अतिथि कस्वां ने किसानों को सलाह दी कि खेती में जल बचत हेतु ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई व रेनगन के तरीकों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि नहर बन्दी के चलते तथा गिरते भू-जल स्तर को ध्यान में रखते हुए खेती में जल का सुनियोजित उपयोग आज महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भू सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशक डॉ दाताराम ने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई के तरीके अपनाकर ज्यादा क्षेत्र में काश्त करना संभव है। बूंद-बूंद सिंचाई के साथ घोलकर फर्टिलाइजर देकर 25 प्रतिशत तक फर्टिलाइजर की बचत की जा सकती है।

विशिष्ट अतिथि स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय के प्रभारी एवं पूर्व निदेशक कृषि प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र ने कहा कि ऊंची-नीची जमीन में भी सूक्ष्म सिंचाई से समरूप में सिंचाई की जा सकती है। सुनियोजित खेती विकास केन्द्र के प्रधान अन्वेषक डॉ. पी. के. यादव ने कहा कि पी.एफ.डी.सी. केन्द्र बीकानेर पर जल बचत हेतु किए गए अनुसंधान किसानों के लिए बहुत उपयोगी है। लो टनल व गीन हाउस में भी सिंचाई की सूक्ष्म तकनीक ही अपनाई जा रही है।

प्रशिक्षण समन्वयक इंजी. जे. के. गौड़ ने बताया कि किसान को जल का मापन तथा उपलब्धता सीख कर सूक्ष्म सिंचाई स्थापना की प्लानिंग करनी चाहिए। प्रशिक्षण में उद्यान विभाग के कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत, उद्यानविज्ञ डॉ. जे. के. तिवारी, ऑटोमेट इंडस्ट्रीज प्रा.लि. दिल्ली के इंजी. प्रेम कुमार ने ड्रिप सिंचाई की स्थापना, फव्वारा सिंचाई, सूक्ष्म सिंचाई, सरकारी अनुदान, बागवानी फसलों में ड्रिप सिंचाई, ड्रिप के स्व चालन तथा सूक्ष्म सिंचाई घटकों के बी.आई.एस.मानकों पर जानकारी दी। प्रशिक्षण में किसानों को ड्रिप सिंचाई क्षेत्रों का भ्रमण करवाकर प्रायोगिक जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के विभिन्न गांवों के 32 किसानों ने भाग लिया।

नैक के अध्यक्ष और जेएनयू के प्रोफेसर समेत दस गिरफ्तार

कलंक के खिलाफ

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीआई ने शनिवार को भ्रष्टाचार के एक मामले में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) निरीक्षण समिति के अध्यक्ष और छह सदस्य समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में जेएनयू के एक प्रोफेसर राजीव सिजारिया भी शामिल हैं।

सीबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा, आरोप है कि कुछ शैक्षणिक संस्थानों द्वारा नैक की निरीक्षण टीम को ए प्लस प्लस (सबसे बेहतर) रेटिंग देने के लिए रिश्वत दी गई। प्रवक्ता ने कहा, एफआईआर में आंध्र प्रदेश के गुंटूर स्थित कोनेरू लक्ष्मैया एजुकेशन फाउंडेशन (केएलईएफ) के कुलपति कोनेरू सत्यनारायण, नैक के पूर्व उप सलाहकार एल मंजूनाथ राव, बेंगलुरु विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व निदेशक (आईक्यूएसी-नैक) एम हनुमंथप्पा और एनएएसी सलाहकार एमएस श्यामसुंदर को भी आरोपी बनाया गया है। अन्य आरोपियों में नैक के सदस्य भरत इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ के डीन डी. गोपाल, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी के डीन राजेश सिंह पवार, जी एल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के निदेशक मानस कुमार मिश्रा एवं गायत्री देवराजा शामिल हैं। सीबीआई प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों के पास से लगभग 37 लाख रुपये नकद, छह लैपटॉप, एक एप्पल मोबाइल, एक सोने का सिक्का और कुछ ट्रॉली बैग बरामद किए गए हैं।

सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय में शनिवार को 'सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।सुनियोजित खेती विकास केन्द्र बीकानेर द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त नियंत्रक पवन कुमार कस्वां ने किसानों को सलाह दी कि खेती में जल बचत हेतु ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई व रेनगन के तरीकों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि नहर बन्दी के चलते तथा गिरते भू-जल स्तर को ध्यान में रखते हुए खेती में जल का सुनियोजित उपयोग आज महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भू सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशक डॉ दाताराम ने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई के तरीके अपनाकर ज्यादा क्षेत्र में काश्त करना संभव है। बूंद-बूंद सिंचाई के साथ घोलकर फर्टिलाइजर देकर 25 प्रतिशत तक फर्टिलाइजर की बचत की जा सकती है। विशिष्ट अतिथि स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय के प्रभारी एवं पूर्व निदेशक कृषि प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र ने कहा कि ऊंची-नीची जमीन में भी सूक्ष्म सिंचाई से समरूप में सिंचाई की जा सकती है। सुनियोजित खेती विकास केन्द्र के प्रधान अन्वेषक डॉ. पी. के. यादव ने कहा कि पी.एफ.डी.सी. केन्द्र बीकानेर पर जल बचत हेतु किए गए अनुसंधान किसानों के लिए बहुत उपयोगी है। लो टनल व गीन हाउस में भी सिंचाई की सूक्ष्म तकनीक ही अपनाई जा रही है। प्रशिक्षण समन्वयक इंजी. जे. के. गौड़ ने बताया कि किसान को जल का मापन तथा उपलब्धता सीख कर सूक्ष्म सिंचाई स्थापना की प्लानिंग करनी चाहिए। प्रशिक्षण में उद्यान विभाग के कृषि अधिकारी श्री मुकेश गहलोत, उद्यानविज्ञ डॉ. जे. के. तिवारी, ऑटोमेट इंडस्ट्रीज प्रा.लि. दिल्ली के इंजी. प्रेम कुमार ने ड्रिप सिंचाई की स्थापना, फव्वारा सिंचाई, सूक्ष्म सिंचाई, सरकारी अनुदान, बागवानी फसलों में ड्रिप सिंचाई, ड्रिप के स्व चालन तथा सूक्ष्म सिंचाई घटकों के बी.आई.एस.मानकों पर जानकारी दी।

"सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें" विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

खेती में जल बचत हेतु सूक्ष्म सिंचाई अपनाएं : पवन कुमार कस्वां

■ लोकमत , बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय में शनिवार को "सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें" विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया ।सुनियोजित खेती विकास केन्द्र बीकानेर द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त नियंत्रक पवन कुमार कस्वां थे। मुख्य अतिथि कस्वां ने किसानों को सलाह दी कि खेती में जल बचत हेतु ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई व रेनगन के तरीकों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि नहर बन्दी के चलते तथा गिरते भू-जल स्तर को ध्यान में रखते हुए खेती में जल का सुनियोजित उपयोग आज महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भू सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशक डॉ दाताराम ने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई के तरीके अपनाकर ज्यादा क्षेत्र में काश्त करना संभव है। बूंद-बूंद सिंचाई के साथ घोलकर फर्टिलाइजर देकर 25 प्रतिशत तक फर्टिलाइजर की बचत की जा सकती है। विशिष्ट अतिथि स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय के प्रभारी एवं पूर्व निदेशक कृषि प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र ने कहा कि ऊंची-नीची जमीन में भी सूक्ष्म सिंचाई से समरूप में सिंचाई की जा सकती है। सुनियोजित खेती विकास केन्द्र के प्रधान अन्वेषक डॉ. पी. के. यादव ने कहा कि पी.एफ.डी.सी. केन्द्र बीकानेर पर जल बचत हेतु किए गए अनुसंधान किसानों के लिए बहुत उपयोगी है। लो टनल व गीन हाउस में भी सिंचाई की सूक्ष्म तकनीक ही अपनाई जा रही है। प्रशिक्षण समन्वयक इंजी. जे. के. गौड़ ने बताया कि किसान को जल का मापन तथा उपलब्धता सीख कर सूक्ष्म सिंचाई स्थापना की प्लानिंग करनी चाहिए। प्रशिक्षण में उद्यान विभाग के कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत, उद्यानविज्ञ डॉ. जे. के. तिवारी, ऑटोमेट इंडस्ट्रीज प्रा.लि. दिल्ली के इंजी. प्रेम कुमार ने ड्रिप सिंचाई की स्थापना, फव्वारा सिंचाई, सूक्ष्म सिंचाई, सरकारी अनुदान, बागवानी फसलों में ड्रिप सिंचाई, ड्रिप के स्व चालन तथा सूक्ष्म सिंचाई घटकों के बी.आई.एस.मानकों पर जानकारी दी।

खेती में जल बचत हेतु सूक्ष्म सिंचाई अपनाएं: कस्वां

- 'सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

तेज | रिपोर्टर बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय में शनिवार को 'सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। सुनियोजित खेती विकास केन्द्र बीकानेर द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त नियंत्रक पवन कुमार कस्वां थे। मुख्य अतिथि कस्वां ने किसानों को सलाह दी कि खेती में जल बचत हेतु ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई व रेनगन के तरीकों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि नहर बन्दी के चलते तथा गिरते भू-जल स्तर को ध्यान में रखते हुए खेती में जल का सुनियोजित उपयोग आज महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भू सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशक डॉ दाताराम ने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई के तरीके अपनाकर ज्यादा क्षेत्र में काश्त करना संभव है। बूंद-बूंद सिंचाई के साथ घोलकर फर्टिलाइजर देकर 25 प्रतिशत तक फर्टिलाइजर की बचत की जा सकती है। विशिष्ट अतिथि स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय के प्रभारी एवं पूर्व निदेशक कृषि प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र ने कहा कि ऊंची-नीची जमीन में भी सूक्ष्म सिंचाई से समरूप में सिंचाई की जा सकती है। सुनियोजित खेती विकास केन्द्र के प्रधान अन्वेषक डॉ. पीके यादव ने कहा कि पीएफडीसी केन्द्र बीकानेर पर जल बचत हेतु किए गए अनुसंधान किसानों के लिए बहुत उपयोगी है। लो टनल व गीन हाउस में भी सिंचाई की सूक्ष्म तकनीक ही अपनाई जा रही है। प्रशिक्षण समन्वयक इंजी. जे. के. गौड़ ने बताया कि किसान को जल का मापन तथा उपलब्धता सीख कर सूक्ष्म सिंचाई स्थापना की प्लानिंग करनी चाहिए। प्रशिक्षण में उद्यान विभाग के कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत, उद्यानविज्ञ डॉ. जे. के. तिवारी, ऑटोमेट इंडस्ट्रीज प्रा.लि. दिल्ली के इंजी. प्रेम कुमार ने ड्रिप सिंचाई की स्थापना, फव्वारा सिंचाई, सूक्ष्म सिंचाई, सरकारी अनुदान, बागवानी फसलों में ड्रिप सिंचाई, ड्रिप के स्व चालन तथा सूक्ष्म सिंचाई घटकों के बीआईएस मानकों पर जानकारी दी। प्रशिक्षण में किसानों को ड्रिप सिंचाई क्षेत्रों का भ्रमण करवाकर प्रायोगिक जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के विभिन्न गांवों के 32 किसानों ने भाग लिया।

» 'आपणों कृषि बाज़ार' का 5 फरवरी को होगा शुभारंभ

कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पाद अब एक ही छत के नीचे

इबादत न्यूज

बीकानेर, 2 फ़रवरी। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पाद अब एक ही छत के नीचे 'आपणों कृषि बाज़ार' में उपलब्ध रहेंगे। 'आपणों कृषि बाज़ार' का शुभारंभ 5 फरवरी को होगा। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय के मुख्य दरवाजे के पास ही 'आपणों कृषि बाज़ार' लगाया जा रहा है। इसमें कृषि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि अनुसंधान केंद्रों, राष्ट्रीय बीज परियोजना,भू-सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय बीकानेर समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी संगठक कृषि महाविद्यालयों के उत्पादों को डिस्प्ले किया जाएगा। उत्पादों के विक्रय का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक रहेगा। सभी उत्पादों पर क्यू आर कोड की सुविधा रहेगी ताकि संबंधित उत्पाद की बिक्री राशि संबंधित संस्थान के खाते में जा सके। कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी ने बताया कि लंबे समय से इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पादों को एक ही छत के नीचे लाया जाए। लिहाजा 'आपणों कृषि बाज़ार' शुरू किया जा रहा है। इसमें सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की मरू शक्ति यूनिट के मिलेट्स प्रोडक्ट के अलावा विभिन्न फसलों के उन्नत किस्म के बीज, विभिन्न सब्जियों के पौधे और बीज,विभिन्न फूलों व फलों के बीज व पौधे, कृषि महाविद्यालय बीकानेर यूनिट का शहद, आंवला कैंडी, आंवला स्क्वैश, मशरूम समेत कृषि विश्वविद्यालय की नर्सरी के विभिन्न सजावटी पौधे उपलब्ध रहेंगे। 'आपणों कृषि बाज़ार' के समन्वयक व स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न उत्पादों को संबंधित जगहों से मंगवा कर डिस्प्ले करने का कार्य जोर शोर से चल रहा है। बीकानेर शहर वासियों को रासायनिक खाद मुक्त उत्पादों और मिलेट्स से बने विभिन्न तरह के उच्च क्वालिटी के उत्पादों की एक लंबी फेहरिस्त यहां आपणो कृषि बाजार में देखने को मिलेगी।

कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पाद अब एक ही छत के नीचे 'आपणों कृषि बाजार' में रहेंगे उपलब्ध

✍ सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 2 फरवरी। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पाद अब एक ही छत के नीचे 'आपणों कृषि बाजार' में उपलब्ध रहेंगे। आपणों कृषि बाजार का शुभारंभ 5 फरवरी को होगा। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय के मुख्य दरवाजे के पास ही आपणों कृषि बाजार लगाया जा रहा है। इसमें कृषि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि अनुसंधान केंद्रों, राष्ट्रीय बीज परियोजना, भू-सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय बीकानेर समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी संगठक कृषि महाविद्यालयों के उत्पादों को डिस्प्ले किया जाएगा। उत्पादों के विक्रय का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक रहेगा। सभी उत्पादों पर क्यू आर कोड की सुविधा रहेगी ताकि संबंधित उत्पाद की बिक्री राशि संबंधित संस्थान के खाते में जा सके। कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी ने बताया कि लंबे समय से इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पादों को एक ही छत के नीचे लाया जाए। लिहाजा आपणों कृषि बाजार शुरू किया जा रहा है। इसमें सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की मरू शक्ति यूनिट के मिलेट्स प्रोडक्ट के अलावा विभिन्न फसलों के उन्नत किस्म के बीज, विभिन्न सब्जियों के पौधे और बीज, विभिन्न फूलों व फलों के बीज व पौधे, कृषि महाविद्यालय बीकानेर यूनिट का शहद, आंवला कैंडी, आंवला स्क्वैश, मशरूम समेत कृषि विश्वविद्यालय की नर्सरी के विभिन्न सजावटी पौधे उपलब्ध रहेंगे। आपणों कृषि बाजार के समन्वयक व स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न उत्पादों को संबंधित जगहों से मंगवा कर डिस्प्ले करने का कार्य जोर शोर से चल रहा है। बीकानेर शहर वासियों को रासायनिक खाद मुक्त उत्पादों और मिलेट्स से बने विभिन्न तरह के उच्च क्वालिटी के उत्पादों की एक लंबी फेहरिस्त यहां आपणो कृषि बाजार में देखने को मिलेगी।

गुरुद्वारा धन धन भाई मंझ जी : संगत से किए सेंची साहिब के लड़ीवार जाप व

✍ सीमान्त रक्षक न्यूज

श्रीगंगानगर, 2 फरवरी। पदमपुर रोड अमृत विहार कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा धन-धन भाई मंझ जी में रविवार सुबह संगत द्वारा सामूहिक रूप से 13 सेंची साहिब के लड़ीवार जाप, सुखमनी साहिब, जपुजी साहिब, चौपाई साहिब, मूलमंत्र व गुरुमंत्र जाप किए, वहीं शाम को वाहेगुरु सिमरन समागम के तहत संगीतमय वाहेगुरु सिमरन किया गया। गुरुद्वारा के मुख्य सेवादार नौनिहाल सिंह ने बताया कि गुरूद्वारा साहिब के सालाना समागम के चलते रोजाना शाम 7 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक वाहेगुरु सिमरन किया जा रहा है जोकि छह फरवरी तक जारी रहेगा। इस दौरान गुरूद्वारा साहिब में रोजाना गुरु का अटूट लंगर बरताया जा रहा है। गुरुद्वारा के हैड ग्रंथी भाई जतिन्दर सिंह ने बताया कि 7 फरवरी को गुरुद्वारा साहिब से नगर कीर्तन निकाला जाएगा, जोकि पदमपुर रोड स्थित आसपास की विभिन्न कालोनियों की परिक्रमा करते हुए शाम को वापिस गुरुद्वारा साहिब में पहुंचेगा। नगर कीर्तन में एक ओर जहां रणजीत नगारा गतका अखाड़ा ग्रूप के सदस्य गतका के हैरतअंगेज जौहर दिखाएंगे, वहीं ढाडी जत्था भाई जसविंदर सिंह जोश व शिरोमणी पंथ अकाली दशमेश तरना दल मिसल सेवा सिमरन दे पुंज भाई कन्हैया जी के मुखी जत्थेदार बाबा राज सिंह खालसा विशेष तौर पर शामिल होंगे। उन्होंने

पंजाब केसरी
MON,03 FEBRUARY 2025
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पाद अब एक ही छत के नीचे "आपणों कृषि बाजार" में रहेंगे उपलब्ध

बीकानेर, 2 फरवरी (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पाद अब एक ही छत के नीचे "आपणों कृषि बाज़ार" में उपलब्ध रहेंगे। "आपणों कृषि बाज़ार" का शुभारंभ 5 फरवरी को होगा।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय के मुख्य दरवाजे के पास ही "आपणों कृषि बाज़ार" लगाया जा रहा है।

इसमें कृषि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि अनुसंधान केंद्रों, राष्ट्रीय बीज परियोजना, भू-सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय बीकानेर समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी संगठक कृषि महाविद्यालयों के उत्पादों को

■ "आपणों कृषि बाजार" का 5 फरवरी को होगा शुभारंभ

डिस्प्ले किया जाएगा।

उत्पादों के विक्रय का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक रहेगा। कुलसचिव डॉ. देवा राम सैनी ने बताया कि लंबे समय से इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पादों को एक ही छत के नीचे लाया जाए।

लिहाजा "आपणों कृषि बाज़ार" शुरू किया जा रहा है। इसमें सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की मरू शक्ति यूनिट के मिलेट्स प्रोडक्ट के अलावा विभिन्न फसलों के उन्नत किस्म के बीज, विभिन्न सब्जियों के पौधें और बीज, विभिन्न फूलों व फलों के बीज व पौधे, कृषि महाविद्यालय बीकानेर यूनिट का शहद, आंवला कैंडी, आंवला स्क्वैश, मशरूम समेत कृषि विश्वविद्यालय की नर्सरी के विभिन्न सजावटी पौधें उपलब्ध रहेंगे।

"आपणों कृषि बाज़ार" के समन्वयक व स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न उत्पादों को संबंधित जगहों से मंगवा कर डिस्प्ले करने का कार्य जोर शोर से चल रहा है।

बीकानेर शहर वासियों को रासायनिक खाद मुक्त उत्पादों और मिलेट्स से बने विभिन्न तरह के उच्च क्वालिटी के उत्पादों की एक लंबी फेहरिस्त यहां आपणो कृषि बाजार में देखने को मिलेगी।

कृषि विवि के सभी उत्पाद अब एक ही छत के नीचे 'आपणो कृषि बाजार' में रहेंगे उपलब्ध

बीकानेर, 2 फरवरी (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पाद अब एक ही छत के नीचे 'आपणों कृषि बाजार' में उपलब्ध रहेंगे। 'आपणों कृषि बाजार' का शुभारंभ 5 फरवरी को होगा। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि विवि के मुख्य दरवाजे के पास ही 'आपणों कृषि बाजारर' लगाया जा रहा है। इसमें कृषि विवि के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि अनुसंधान केंद्रों, राष्ट्रीय बीज परियोजना, भ-सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय बीकानेर समेत कृषि विवि के सभी संगठक कृषि महाविद्यालयों के उत्पादों को डिस्प्ले किया जाएगा। उत्पादों के विक्रय का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक रहेगा। कुलसचिव डॉ. देवा राम सैनी ने बताया कि लंबे समय से इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पादों को एक ही छत के नीचे लाया जाए। लिहाजा 'आपणों कृषि बाजार' शुरू किया जा रहा है। इसमें सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की मरू शक्ति यूनिट के मिलेट्स प्रोडक्ट के अलावा विभिन्न फसलों के उन्नत किस्म के बीज, सब्जियों के पौधे और बीज, फूलों व फलों के बीज व पौधे, कृषि महाविद्यालय बीकानेर यूनिट का शहद, आंवला कैंडी, आंवला स्क्वैश, मशरूम समेत कृषि विवि की नर्सरी के विभिन्न सजावटी पौधे उपलब्ध रहेंगे। इससे ग्राहकों को गुणवत्ता की सामग्री मिल सकेगी। यह जरूरी भी था।

कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पाद अब एक ही छत के नीचे 'आपणों कृषि बाज़ार' में रहेंगे उपलब्ध

» 'आपणों कृषि बाज़ार' का 5 फरवरी को होगा शुभारंभ

तेज | रिपोर्टर बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पाद अब एक ही छत के नीचे 'आपणों कृषि बाज़ार' में उपलब्ध रहेंगे। 'आपणों कृषि बाज़ार' का शुभारंभ 5 फरवरी को होगा। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय के मुख्य दरवाजे के पास ही 'आपणों कृषि बाज़ार' लगाया जा रहा है। इसमें कृषि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि अनुसंधान केंद्रों, राष्ट्रीय बीज परियोजना, भू-सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय बीकानेर समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी संगठक कृषि महाविद्यालयों के उत्पादों को डिस्प्ले किया जाएगा। उत्पादों के विक्रय का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक रहेगा। सभी उत्पादों पर क्यू आर कोड की सुविधा रहेगी ताकि संबंधित उत्पाद की बिक्री राशि संबंधित संस्थान के खाते में जा सके। कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी ने बताया कि लंबे समय से इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सभी उत्पादों को एक ही छत के नीचे लाया जाए। लिहाजा 'आपणों कृषि बाज़ार' शुरू किया जा रहा है। इसमें सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की मरू शक्ति यूनिट के मिलेट्स प्रोडक्ट के अलावा विभिन्न फसलों के उन्नत किस्म के बीज, विभिन्न सब्जियों के पौधे और बीज, विभिन्न फूलों व फलों के बीज व पौधे, कृषि महाविद्यालय बीकानेर यूनिट का शहद, आंवला कैंडी, आंवला स्क्वैश, मशरूम समेत कृषि विश्वविद्यालय की नर्सरी के विभिन्न सजावटी पौधे उपलब्ध रहेंगे। 'आपणों कृषि बाज़ार' के समन्वयक व स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न उत्पादों को संबंधित जगहों से मंगवा कर डिस्प्ले करने का कार्य जोर शोर से चल रहा है। बीकानेर शहरवासियों को रासायनिक खाद मुक्त उत्पादों और मिलेट्स से बने विभिन्न तरह के उच्च क्वालिटी के उत्पादों की एक लंबी फेहरिस्त यहां आपणो कृषि बाजार में देखने को मिलेगी।

आपणो कृषि बाजार

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
के उत्पादों का विक्रय केन्द्र

आपका हार्दिक स्वागत करता है।

BAJRA PRODUCTS

फलों के मूल्य संवर्धित उत्पाद

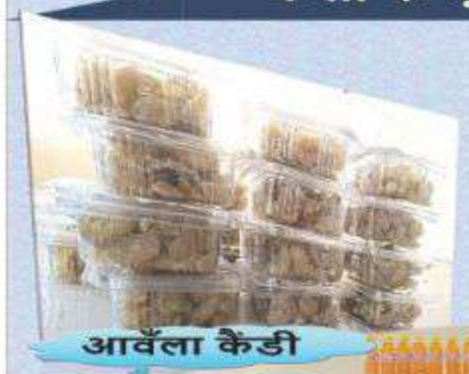

SUNDAY
राजस्थान पत्रिका
बीकानेर, रविवार, 02 फरवरी 2025

शैक्षिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने सीखा कृषि ज्ञान और नवाचार

बज्जू @ पत्रिका. पीएमश्री राउमावि गोडू के कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों ने स्वामी केशवानंद विश्वविद्यालय बीकानेर का शैक्षिक भ्रमण किया। पीएमश्री योजना प्रभारी वरिष्ठ अध्यापक जयप्रकाश डूडी व ग्रीन फील्ड विजिट प्रभारी वरिष्ठ अध्यापक श्रीचन्द धायल के नेतृत्व में भ्रमण से सीखने को कहा। विद्यार्थियों ने डॉ. झाझड़िया, डॉ.मुकेश चौधरी व रतन ने जैविक खेती, मशरूम की जर्मीनेशन व आरएफ आईडी युक्त लाइब्रेरी की जानकारी ली। शिक्षक नाथूलाल मीना व तारावती ने अनुशासन के बारे में बताया।